आरम्भ वर्ष - 2023
चातुर्मासिक - Tri-Annual

वर्ष - द्वितीय
अङ्क - चतुर्थ (दिसम्बर - 2024)
ISSN - 3048-6319 (Online)

बुन्देलखण्ड विमर्श
BUNDELKHAND VIMARSH

(भारतीय ज्ञान परम्परा की सान्दर्भिक एवं पुनरीक्षित शोधपत्रिका)

(Refereed and Reviewed Research Journal of Indian Knowledge System)

: प्रकाशक :

संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति
॥ तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥

बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति
BARAUDI SANSKRITI SANSKRIT SANSKAR SHIKSHA SAMITI
ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.
Vill.- Barodi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia(Madhya Pradesh) Bharat,475686.
Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816,
Email:- sanskritsamiti17@gmail.com, Website:- www.sanskritsamiti.org

शोधपत्रिका विवरण :-

- शोधपत्रिका का नाम (हिन्दी में) - बुन्देलखण्ड विमर्श
- शोध पत्रिका का नाम (अंग्रेजी में) - BUNDELKHAND VIMARSH
- प्रकाशन का विषय क्षेत्र - बहु विषयक
- प्रकाशन की भाषा - बहुभाषिक
- आरम्भ वर्ष - 2023
- प्रकाशन अवधि - चातुर्मासिक (Tri-Annual)
- ISSN - 3048-6319
- प्रकाशन माध्यम - ऑनलाइन

अंक विवरण :-

- प्रकाशन वर्ष - द्वितीय
- अङ्क - चतुर्थ (दिसम्बर - 2024)

सदस्यता विवरण :-

- वार्षिक सदस्यता - 1500/- रुपये मात्र
- एक अंक - 750/- रुपये मात्र

प्रकाशक विवरण :-

बरौदी संस्कृति संस्कृत संस्कार शिक्षा समिति

सम्पर्क सूत्र :-

ग्राम - बरौदी, पत्रालय - सनौरा, जिला - दतिया (मध्यप्रदेश), भारत, 475686.
Vill.- Barodi, P.O.-Sanora, Distt.-Datia (Madhya Pradesh) Bharat, 475686.
Email :- sanskritsamiti17@gmail.com, Website :- www.sanskritsamiti.org
Cont.- +91 88277 66640, +91 78799 58816.

प्रधान सम्पादक

डॉ. उपेन्द्र भार्गव

सम्पादक

डॉ. आनन्द प्रकाश शुक्ल

सह सम्पादक

डॉ. कपिल कुमार भार्गव, आकृति शर्मा, नीता शर्मा

-: सम्पादक मण्डल :-

प्रो. श्यामदेव मिश्र (उत्तर प्रदेश)
प्रो. प्रसाद गोखले (महाराष्ट्र)
डॉ. दिनेश रसाळ (महाराष्ट्र)
कृष्णकान्त तिवारी (मध्य प्रदेश)
प्रो. नीलाभ तिवारी (मध्य प्रदेश)
प्रो. पराग जोशी (महाराष्ट्र)
डॉ. नितिन जैन (नयी दिल्ली) डॉ.
डॉ. रमण मिश्र (मध्य प्रदेश)

-: सहायक सम्पादक :-

डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी (मध्य प्रदेश)
डॉ. धनञ्जय मिश्र (जम्मू एवं कश्मीर)
डॉ. हिमांशु द्विवेदी (मध्य प्रदेश)
डॉ. नरेश शर्मा (हरियाणा)
डॉ. रामकुमारी (गुजरात)
डॉ. लवलेश मिश्र (मध्य प्रदेश)
डॉ. कृष्णकुमार भार्गव (आन्ध्र प्रदेश)
डॉ. मोहन बैरागी (मध्य प्रदेश)
डॉ. शमीनाज़ खान (हिमाचल प्रदेश)
डॉ. राकेश दास (पश्चिम बंगाल)
डॉ. लक्ष्मीविजयन् वी.टी. (केरल)
डॉ. मृत्युंजय कुमार मिश्र (राजस्थान)
डॉ. देशबन्धु (नयी दिल्ली)
डॉ. अवतारजीत सिंह (म.प्र.)
डॉ. पुष्पिन्दर जोशी (पंजाब)
डॉ. रूपाली सारये (मध्य प्रदेश)
डॉ. प्रभाकर पाण्डेय (मध्य प्रदेश)
डॉ. रमा आर्या (मध्य प्रदेश)
डॉ. अवधेश श्रोत्रिय (बिहार)
डॉ. दीपक पाठक (उत्तर प्रदेश)
श्रीमती शिरीन कुरैशी (मध्यप्रदेश)
डॉ. प्रियव्रत मिश्र (उत्तर प्रदेश)
डॉ. अखिलेश्वर मिश्र (तमिलनाडु)

प्रबन्धन एवं तकनीकि सम्पादक

विवेक कुमार शर्मा
राज भार्गव

सम्पादकीय

"स्वाध्यायप्रवचनाभ्यं न प्रमदितव्यम्" इस उपनिषद वाक्य के ध्येय को जीवन लक्ष्य बनाकर भारतीय ज्ञान परम्परा के सिद्धान्तों द्वारा अपनी तीक्ष्ण बुद्धि से अनेक शोध अध्येता, अनुसंधाता तथा गवेषकों ने प्राचीन काल से चारों वेद, छह वेदांग, अठारहों पुराण, रामायण, महाभारत, शताधिक उपनिषद, दर्शन और विस्तृत संस्कृत वाङ्मय के अथाह ज्ञानसिन्धु को पार करने का प्रयत्न किया है और वर्तमान में भी यह यात्रा अनवरत रूप से प्रवाहमान है। प्रत्येक शोधार्थी के लिए यह आवश्यक है कि वह निरन्तर स्वाध्याय करे और स्वाध्याय से उपार्जित ज्ञान को अपने आलेख द्वारा अन्य ज्ञान पिपासुओं तक सम्प्रेषित करने का यत्न भी करे तभी अध्ययन एवं अनुसन्धान की सार्थकता सिद्ध होती है। ज्ञानप्रवाह को निष्कल्मष बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि शोध, अनुसन्धान एवं गवेषणा को प्रोत्साहित किया जाए तथा शोधार्थियों को पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जाने चाहिए जिससे संचित ज्ञान की अभिरक्षा तथा भविष्य के लिए उसका पोषण सुनिश्चित किया जा सके।

वर्तमान में भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ अन्य आधुनिक ज्ञान - विज्ञान के समावेशी एवं अन्तर्विषयी तथा भारतीय भाषाओँ में शोध अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए जो प्रावधान तथा प्रयत्न वर्तमान 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' में किये गए हैं वे निश्चित रूप से शिक्षा में क्रान्ति का सूत्रपात करते हैं । भारतीय ज्ञान मीमांसा में योग, ज्योतिष आयुर्वेद, वेदान्त, राजनीति, धर्म, समाज, अर्थशास्त्र तथा मनोविज्ञान आदि ऐसे अनेक महत्वपूर्ण विषय हैं जिनका अध्ययन अन्य विषयों के परस्पर सामंजस्य से नूतन दृष्टि प्रदान करता है।

अतः प्रस्तुत शोध पत्रिका 'बुन्देलखण्ड विमर्श' भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित लोक कल्याण परक विषयों के प्रचार - प्रसार, उन्नयन एवं शोध उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु सुधी पाठकों, विद्वज्जनों, समीक्षकों, आलोचकों के समक्ष प्रस्तुत है। हमारा लक्ष्य है कि पत्रिका में प्रकाशित होने वाले शोधपत्रों के माध्यम से हमारे अध्येता शोधार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हो तथा वे सान्दर्भिक शोध की दिशा में प्रवृत्त हो सकें। हमें आशा है कि हमारे प्रिय पाठकों के महत्वपूर्ण सुझाव और मार्गदर्शन हमें निरन्तर प्राप्त होंगे जिनसे हम अपनी गुणवत्ता विकसित कर सकेंगे तथा आपके लिए सुदृढ़ बौद्धिक पाथेय उपलब्ध करा सकेंगे।

आपके स्नेह एवं सहयोग का आकाङ्क्षी

डॉ. आनन्द प्रकाश शुक्ल

(सम्पादक)

चैत्र शुक्ल एकादशी
३० दिसम्बर २०२४

विषयानुक्रमणिका

क्र.	शोधपत्र शीर्षक	लेखक का नाम	पृ. क्र.
01	21वीं शताब्दी में नीति शतक की शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता	नितेश कुमार नागर	01 - 05
02	सृष्टि के प्रकाश पुंज : अंधेरे के आलोक पुत्र	गौरव गौतम	06 - 11
03	जनकाव्य की चेतना के कवि त्रिलोचन	डॉ. रुपाली सारये	12 - 16
04	महादेवी वर्मा के काव्य में विरह रूप	डॉ. प्रतिभा जोशी	17 - 23
05	Environmental Awareness in the poetry of Dr. Ramesh Pokhriyal 'Nishank'	Shraddha Choudhary	24 - 30
06	भारतीय ज्ञान परम्परा तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान में स्वप्न विश्लेषण	डॉ. कपिल भार्गव	31 - 35
07	क्षयाधिमासः	चांदनी शर्मा	36 - 39
08	बहुमाध्यमाधारितं संस्कृतशिक्षणम्	डॉ. रमणमिश्रः	40 - 46
09	छात्राणां बौद्धिकविकासे तन्त्रयुक्तीनां प्रभावः	सस्मिता खण्डुआल डॉ. एस.एल. सीताराम शर्मा	47-50
10	अभिज्ञानशाकुन्तले संस्कृतिविमर्शः	डॉ अखिलेशकुमारद्विवेदी	51-55
11	देवालयवास्तुशास्त्रदृशा शिवलिङ्गलक्षणविमर्शः	कंचन तिलवानी डॉ.उपेन्द्रभार्गवः	56-63